पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राज0)

"सत्र 2019–20"

हिन्दी साहित्य

(कला संकाय)

बी.ए. वर्ष तृतीय – हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – (आधुनिक काव्य)

पूर्णांक : 100 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 36**

खण्ड – 'अ'

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरीऔध
   प्रिय प्रवास – सर्ग 6 प्रथम 40 छंद

2. मैथिलीशरण गुप्त

सकेत – नवम सर्ग

1. वेदने तू भी भली बनी .....पाऊं प्राण धनी
2. निरखी सखी ये खंजन आये .....अश्रु सूखा कर लाये
3. विरह संग अभिसार भी ..... और एक संसार भी
4. दानो और प्रेम पलता है .....मुझे यही खलता है।
5. आ आ निंदिया गूंगी ..... मैं न्यौछावर हूँ जी
6. कहती मैं, चातकि फिर बोल .....उर कै कल–कल्लोल
7. सखि निरखि नदी की धार ..... आगे नखीं सहागै

यशोधरा

1. सखि, वे मुझसे कहकर जाते
2. अब कठोर हो बजादपि ओ कुसुमादपि सुकुमारी
3. हे मन आज परीक्षा तेरी

3. जयशंकर प्रसाद

कामायनी – श्रद्धासर्ग – प्रथम 20 छंद
आंसू – रो – रोकर सिसक–सिसक कर कहता..... कुछ सच्चा स्वयं बना था

4. सुमित्रानंदन पंत

1. प्रथम रश्मि
2. मौन निमन्त्रण
3. द्रुत झरो

5. अज्ञेय

1. बावरा अहेरी
2. भीतर जागा दाता
3. सॉप
4. यह दीप अकेला

6. मुक्तिबोध

1. जन जन का चेहरा एक
2. दूर–तारा
3. खोल आंखें

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR

7. धूमिल

1. प्रौढ़ शिक्षा
2. मोचीराम

8. दुष्यन्त

1. इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है, नाव जर्जर ही सही, लहरों मे टकराती तो है।
2. खँडहर बचे हुए हैं, इमारत नही रही, अच्छा हुआ कि सर पे कोई छत नहीं रही।
3. परिन्दे अब भी पर तोले हुए है, हवा मे सनसनी घोले हुए हैं।
4. एक कबूतर, चिट्ठी लेकर, पहली–पहली बार उड़ा मौसम एक गुलेल लिये था पट से नीचे आन गिरा।
5. एक गुड़िया की कई कठपुतलियों में जान है, आज शायर, ये तमाशा देखकर हैरान है।
6. होने लगी है जिस्म में जुंबिश तो देखिए, परकटे परिन्दे की कोशिश तो देखिए।
7. अब किसी को भी नजर आती नहीं कोई दरार, घर की हर दीवार पर चिपके हैं इतने इश्तहार।
8. हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए।
9. बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, और नदियों के किनारे घर बने है।

खण्ड – 'ब'

आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृतियाँ – राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नई कविता

अंक विभाजन

खण्ड – 'अ'

कुल चार व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) $4 \times 40 = 40$ अंक

कुल तीन निबन्धात्मक प्रश्न – एक कवि से संबंधित एक ही प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)

$3 \times 15 = 45$ अंक

खण्ड – 'ब' में से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 15 अंक

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR

बी.ए. वर्ष तृतीय – हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – (निबन्ध तथा काव्यशास्त्र)

पूर्णांक : 100 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 36**

क – निबंध

1. बालकृष्ण भट्ट – जुबान
2. रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज
4. नंद दुलारे वाजपेयी – साहित्य और सामाजिक प्रगति
5. रामविलास शर्मा – संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका
6. विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
7. उदय प्रकाश – एक अजायब घर
8. हरिशंकर परसाई – विकलांग श्रद्धा का दौर
9. निर्मल वर्मा – परम्परा और इतिहास बोध

ख – काव्य शास्त्र

1. अलंकार – लक्षण और भेद
   अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, अपन्हुति, व्यतिरेक और विरोधाभास।
2. छंद – परिभाषा तथा महत्व
   दोहा, चौपाई, छप्पय, रोला, कुण्डलिया, शिखरणी, द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका।
3. रस – परिभाषा, स्वरूप एवं लक्षण, रस के अवयव और रस के भेद।
4. गुण एवं दोष – माधुर्य, ओज, प्रसाद।
5. शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं – एक निबंध से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय)	10 x 4 = 40 अंक
दो आलोचनात्मक प्रश्न – निबंध से संबंधित (आन्तरिक विकल्प देय)	15 x 2 = 30 अंक
खण्ड 'ख' में से एक प्रश्न रस और अलंकार से संबंधित (आन्तरिक विकल्प देय)	15 अंक
खण्ड 'ख' में से छंद, गुण, शब्द शक्ति, पर टिप्पणी (आन्तरिक विकल्प देय)	7 ½ x 2 = 15 अंक

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR